वर्ष-16, अंक-12

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

बिहार सिटी चीफ

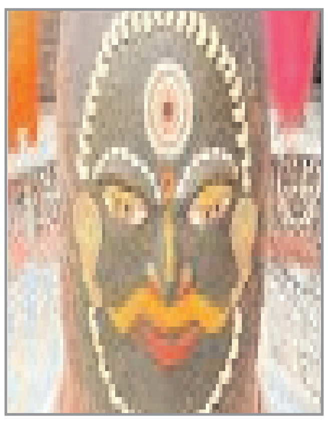

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, शुक्रवार, 18 अप्रैल , 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

जिंदगी में सबसे बड़ा धनवान वो इंसान होता है, जो दूसरों को अपनी मुस्कुराहट देकर उनका दिल जीत लेता है।

पटना से दिल्ली 11 घंटे में

बिहार को कब मिलेगी तीसरी अमृत भारत ट्रेन

पटना, चुनावी साल में बिहार को एक के बाद एक आधुनिक ट्रेनों की सुविधा मिलने जा रही है। अगले दो महीने के भीतर रेलवे पटना से दिल्ली के बीच एक नई अमृत भारत ट्रेन शुरू करने की तैयारी में है। इस ट्रेन से पटना और दिल्ली के बीच का सफर महज 11 घंटे में पूरा हो जाएगा। यह इस रूट की सबसे तेज ट्रेन होगी। बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने इस पर अपडेट दिया है। उन्होंने दावा किया है कि जून महीने में अमृत भारत का रैक पटना पहुंच जाएगा। ट्रायल के बाद इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। यह बिहार की तीसरी अमृत भारत ट्रेन होगी।

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने हाल ही में सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि बिहारवासी अब मात्र 11 घंटे में पटना से दिल्ली की यात्रा कर पाएंगे। जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से लैस अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन शुरू होने वाला है। उन्होंने बताया कि इसमें 11 जनरल, 8 स्लीपर समेत 22 कोच होंगे, जिनमें 1500 से अधिक यात्री सफर कर सकेंगे।

अमृत भारत ट्रेन में हर सीट के पास चार्जिंग पॉइंट की सुविधा होगी। सुरक्षा की दृष्टि से हर कोच में सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। बायो-वैक्यूम आधारित टॉयलेट, सेंसर वाले नल, एलईडी लाइट, यात्रियों की जानकारी के लिए डिजिटल सूचना बोर्ड जैसी सुविधाएं ट्रेन में मिलेंगी। नीतीश सरकार में मंत्री विजय चौधरी ने भी गुरुवार को पोस्ट शेयर कर पटना दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के जून से शुरू होने का दावा किया।

पटना से चलने वाली अमृत भारत बिहार की तीसरी ऐसी ट्रेन होगी

पिछले साल रेलवे ने दरभंगा से नई दिल्ली के बीच राज्य की पहली अमृत भारत ट्रेन शुरू की थी। इसका अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। इसलिए रेलवे अब अन्य रूटों पर भी इस तरह की ट्रेनें शुरू करने जा रहा है। इस महीने सहरसा से दिल्ली होकर अमृतसर तक बिहार की दूसरी अमृत भारत एक्सप्रेस चलाने की योजना है। 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका वर्चुअल तरीके से उद्घाटन कर सकते हैं। इसके बाद पटना से दिल्ली के बीच राज्य की तीसरी अमृत भारत ट्रेन चलाने की तैयारी है।

बिहार से बड़ी संख्या में लोग देश की दिल्ली-एनसीआर में काम करते हैं। पटना से दिल्ली रूट पर ट्रेनों में अक्सर भारी भीड़ रहती है। अमृत भारत ट्रेन शुरू होने से उन्हें सुविधा मिलेगी। अमूमन एक्सप्रेस और मेल ट्रेनों में दोनों शहरों के बीच 20 घंटे या उससे ज्यादा का समय लगता है। राजधानी और दुरंतो जैसी प्रीमियम ट्रेनों में भी पटना से दिल्ली जाने-आने में साढ़े 12 से 15 घंटे तक लगते हैं। हालांकि, इन ट्रेनों का किराया ज्यादा होता है।

अमृत भारत ट्रेन चलने के बाद यात्री साधारण खर्च में कम समय में पटना से दिल्ली पहुंच पाएंगे। पुश-पुल तकनीक पर आधारित इस ट्रेन में दोनों तरफ इंजन होते हैं। इसको 130 किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम रफ्तार से चलाया जाता है।

बिहार में हुई महागठबंधन की अहम बैठक

CM फेस पर तेजस्वी यादव बोले- थोड़ा इंतजार का.....

पटना, बिहार की राजधानी पटना में गुरुवार को महागठबंधन की एक अहम बैठक हुई, जो करीब तीन घंटे तक चली। इस बैठक में तेजस्वी यादव को को-आर्डिनेशन कमेटी के अध्यक्ष के तौर पर चुना गया। हालांकि, मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा, इसे लेकर कांग्रेस की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने लीडरशिप के संबंध में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए कहा कि महागठबंधन में यूनिटी है, क्लैरिटी है, एनडीए में कंफ्यूजन है। हरियाणा के मुख्यमंत्री कुछ बोलते हैं, प्रधानमंत्री कुछ बोलते हैं, इंडिया गठबंधन में कोई कंफ्यूजन नहीं है, जहां कंफ्यूजन है वहां का सवाल उठाएं।

जब अल्लावरु से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा बताए जाने के संबंध में पूछा गया, तो उन्होंने इसका जवाब नहीं दिया। तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, थोड़ा इंतजार का मजा लीजिए। हम सब एक हैं, जो भी बात होगी साथ करेंगे। पशुपति पारस को कहा कि इसके बारे में आप लोगों को बताया जाएगा।

बैठक में किन मुद्दों पर हुई चर्चा?

बैठक में आरजेडी, कांग्रेस, वीआईपी के साथ-साथ वामपंथी दलों- सीपीएम, सीपीआई और माले के नेताओं ने भाग लिया। बैठक में राज्य से लेकर प्रखंड स्तर पर को-ऑर्डिनेशन कमेटी बनाने का ऐलान किया गया। ये कमेटियां समय-समय पर आपस में बैठक करेंगी और अपने एजेंडे को एकजुटता से आगे बढ़ाएंगी। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने गरीब, नौजवान, महिलाओं, युवाओं के मुद्दों पर बात की। पलायन पर चर्चा की। बिहार के लोगों में बहुत गुस्सा है। 20 साल से यहां %खटारा% सरकार है। केंद्र की ही रिपोर्ट बताती है कि बिहार में सबसे ज्यादा गरीबी है।

बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं

उन्होंने गोपालगंज में एक लड़की के किडनैप कर गैंगरेप की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम के गृह जिले नालंदा में दुष्कर्म के बाद पीड़िता के पैरों में कीलें ठोंकी गईं। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को भगाया जा रहा है और अपराधी बेलगाम हैं। बिहार में कानून नाम की कोई चीज नहीं है। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिस-ऑर्डर हो चुका है। इसके दोषी सिर्फ सीएम नीतीश नहीं हैं। उन्हें क्या कहें वो तो अचेत अवस्था में हैं, लेकिन नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह बार-बार बिहार आते हैं, उनको जवाब देना चाहिए। अमित शाह के पास गृह मंत्रालय है। ये लोग मुद्दों पर बात नहीं करते।

प्रधानमंत्री ने बिहार को क्या दिया?

तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी 11 साल से प्रधानमंत्री हैं, इन्होंने बिहार को क्या दिया? केवल ठगने का काम किया है। लोगों ने भरोसा करके सबसे ज्यादा सांसद दिए। दर्जनभर मंत्री यहां से हैं, मंत्री अपनी एक उपलब्धि बता दें। 20 साल से डबल इंजन की सरकार का नेतृत्व मोदी-नीतीश कर रहे हैं।

इनका एक काम बताएं। प्रति व्यक्ति आय में बिहार सबसे पीछे है। किसानों की आय में सबसे पीछे है। निवेश में सबसे पीछे है। इन लोगों ने कोई काम नहीं किया।

राजद विधायक रीतलाल यादव ने दानापुर कोर्ट में किया सरेंडर

कहा- मेरी हत्या की साजिश रची जा रही

दानापुर से राजद विधायक रीतलाल यादव ने दानापुर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। रीतलाल के अलावा तीन अन्य आरोपियों ने भी सरेंडर किया है। रीतलाल के खिलाफ बिल्डर ने रंगदारी मांगे जाने को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। सरेंडर के बाद कोर्ट ने रीतलाल यादव को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। जब रीतलाल यादव ने सरेंडर किया, तब कोर्ट में काफी संख्या ने समर्थकों की मौजूदगी थी।

रीतलाल यादव ने कहा मेरी हत्या की साजिश रची जा रही है। मेरे विरोधियों को हत्या के लिए एके-47 उपलब्ध कराई गई, साजिश के तहत मुझे फंसाया गया। चुनाव को लेकर ये सब किया गया। मैं डरने वाला नहीं हूं। चुनाव हर हाल में लड़ूंगा। बेल के लिए बाद में याचिका दायर करूंगा। जेल से कोर्ट आने जाने के दौरान मेरी हत्या हो सकती है।

11 अप्रैल को हुआ था हंगामा

11 अप्रैल के दिन बिहार पुलिस ने रीतलाल यादव को 11 ठिकानों पर छापेमारी की थी। उनके खिलाफ रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगे थे। हालांकि, पुलिस को रीतलाल कहीं नहीं मिले। इसके बाद उनकी पत्नी ने आरोप लगाए थे कि पुलिस एनकाउंटर करने के इरादे से आई थी। वहीं, रीतलाल ने सोशल मीडिया पर कहा था कि असली मकसद तो एके-47 जैसे हथियार रखकर उन्हें फंसाना था। मौजूदा विधायक के इस तरह फरार होने से बवाल मच गया था। अब रीतलाल ने कोर्ट में सरेंडर कर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

इनकम टैक्स से जुड़ सकता है मामला

छापेमारी के दौरान पुलिस को रीतलाल यादव के घर से 10 लाख कैश, ब्लैंक चेक और पेन ड्राइव जैसी चीजें मिली थीं। इसके बाद पुलिस ने इनकम टैक्स विभाग से संपर्क किया था, ताकि रीतलाल के खिलाफ केस को मजबूत बनाया जा सके। हालांकि, अब तक इस बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

जाने रेड में क्या-क्या मिला

बिहार के बंदोबस्त पदाधिकारी की दिल्ली से बंगाल तक प्रॉपर्टी

पटना, बिहार सरकार के पदाधिकारी मुकुल कुमार झा के ठिकानों पर निगरानी ब्यूरो (विजिलेंस) की टीम ने गुरुवार को ताबड़तोड़ छापेमारी की। यह कार्रवाई झा के पूर्णिया, भागलपुर और पटना स्थित घर एवं अन्य ठिकानों पर एक साथ की गई। वह अभी पूर्णिया में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के पद पर तैनात हैं। उनकी देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पश्चिम बंगाल तक, प्रॉपर्टी के कागजात मिले हैं। इसके अलावा 32 लाख के सोने के गहने, 15 बैंकों में खाते, इंश्योरेंस और म्युचुअल फंड में निवेश के एक दर्जन से ज्यादा कागजात मिले।

सहायक बंदोबस्त मुकुल कुमार झा पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित किए जाने का मामला है। इसी सिलसिले में गुरुवार को विजिलेंस की टीम ने छापेमारी की। आरोपी और उनके परिजन के नाम पर दिल्ली, गाजियाबाद, सिलीगुड़ आदि शहरों में फ्लैट एवं दुकान खरीदे जाने के निवेश से संबंधित कागजात मिले हैं। निगरानी ब्यूरो इन कागजातों के आधार पर आरोपी पदाधिकारी की आय से अधिक वास्तविक संपत्ति का आकलन करने में जुटी है।

एफआईआर दर्ज कर शुरू हुई छानबीन

मुकुल कुमार झा के वैशाली जिले में हाजीपुर सदर के अंचलाधिकारी (सीओ) के पद पर रहते हुए पद का दुरुपयोग करते हुए आय से अधिक संपत्ति अर्जित किए जाने की शिकायत मिली थी। निगरानी ब्यूरो के अधिकारियों के मुताबिक इसके आधार पर जांच शुरू की गई। विजिलेंस को पदाधिकारी के द्वारा 56.68 लाख रुपये अधिक आय अर्जित करने के सबूत मिले। फिर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई।

डीएसपी के नेतृत्व में निगरानी की अलग-अलग टीमें गुरुवार को पूर्णिया में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी के कार्यालय एवं आवास, भागलपुर के भिखनपुर स्थित उनके फ्लैट और पटना के गोला रोड में लोटस अबोर्ड अपार्टमेंट के फ्लैट में पहुंची। जांच के दौरान उनके ठिकानों से कई निवेश के कागजात मिले। बताया जा रहा है कि सेवाकाल में रहते हुए झा और उनके रिश्तेदारों के नाम पर कई शहरों में प्रॉपर्टी खरीदी गई।

सिपाही बनने का सपना रह गया अधूरा! दौड़ते-दौड़ते अचानक ग्राउंड में गिरा युवक...थम गईं सांसें

बिहार के सुपौल जिले से एक दुखद खबर सामने आई है, जहां पर रनिंग के दौरान युवक की अचानक मौत हो गई। बताया जा रहा है कि युवक होमगार्ड बनना चाहता था, लेकिन उसका यह सपना अधूरा ही रह गया। वहीं, युवक की मौत के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

दौड़ते-दौड़ते अचानक ग्राउंड में गिरा युवक जानकारी के मुताबिक, मामला सुपौल नगर परिषद क्षेत्र का है। मृतक युवक की पहचान सुपौल नगर परिषद क्षेत्र के बीम टोला वार्ड 27 निवासी सोनू कुमार (30) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सोनू होमगार्ड बहाली प्रक्रिया में शामिल होने के लिए आवेदन दिया था और फिजिकल टेस्ट की तैयारी कर रहा था। वह रोज आउटडोर स्टेडियम में जाकर दौड़ लगाता था। गुरुवार सुबह भी वह रोज की तरह दौड़ की प्रैक्टिस करने गया था। दौड़ लगाते समय सोनू की अचानक सांसें उखड़ने लगीं। इसके बाद वह मौके पर ही गिर पड़ा और बेहोश हो गया। इसके बाद लोगों द्वारा बेहोशी की हालत में युवक को आनन फानन में सदर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी।

परिजनों में मची चीख-पुकार

इधर, युवक की मौत के बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के घर परिवार में दुख का पहाड़ टूटा है। पूरे गांव में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों का कहना है कि युवक काफी मेहनत कर रहा था, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

बिहार में मई से नई व्यवस्था

संविदा कर्मियों को बायोमेट्रिक हाजिरी के बिना पैसा नहीं मिलेगा

पटना, अब बिहार के पंचायतों में भी नया सिस्टम लागू होने जा रहा है. मई महीने से पंचायत के कर्मियों के लिए नई व्यवस्था लागू होनेवाली है. पंचायती राज विभाग के संविदा कर्मियों की अब बायोमेट्रिक हाजिरी लगानी होगी. बिना कार्यालय गए ग्राम कचहरी सचिवों का मानदेय भुगतान नहीं होगा.

पंचायती राज विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से ग्राम कचहरियों में संविदा कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित होगी. जिससे गांव के लोगों का काम आसानी से होगा. पंचायती राज विभाग द्वारा बायोमेट्रिक मशीन का बी बैस सॉफ्टवेयर से एपीआई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) से लिंक कराया जा रहा है. इससे हाजिरी बनते ही सीधे सॉफ्टवेयर पर अपलोड होगा. नया सिस्टम लागू हो जाने से अधिकारी भी संविदा कर्मियों को बिना बायोमेट्रिक हाजिरी बनाए मानदेय नहीं दिला सकेंगे. सिर्फ वैसी स्थिति में ही बिना बायोमेट्रिक हाजिरी बनाए मानदेय का भुगतान होगा, जब कर्मी प्रशिक्षण या अन्य किसी अनिवार्य कार्य से कार्यालय नहीं आ सके.

दरअसल, पंचायती राज विभाग को शिकायत मिल रही थी कि संविदा कर्मी कार्यालय में नहीं रहते हैं, समय से नहीं जाते हैं. अब बायोमेट्रिक हाजिरी के कारण कार्यालय में उनकी उपस्थिति रहेगी. विभाग के निदेशक आनंद शर्मा ने बताया कि विभाग के संविदा कर्मियों के लिए मई से बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्यकी जा रही है. इस व्यवस्था से गांवों के लोगों का संबंधित कर्मचारियों के माध्यम से काम आसानी से होगा. बायोमेट्रिक हाजिरी का ट्रायल इस माह के अंत तक पूरा हो जाएगा. पंचायती राज विभाग में लगभग 12 हजार संविदा कर्मी हैं. इसमें लगभग 7500 कर्मी ग्राम पंचायत सचिव हैं. संविदाकर्मियों में न्याय मित्र, तकनीकी सहायक, लेखापाल सह आईटी सहायक, आरटीपीएस कार्यालय के कार्यालय सहायक, प्रखंड कार्यपालक हैं.